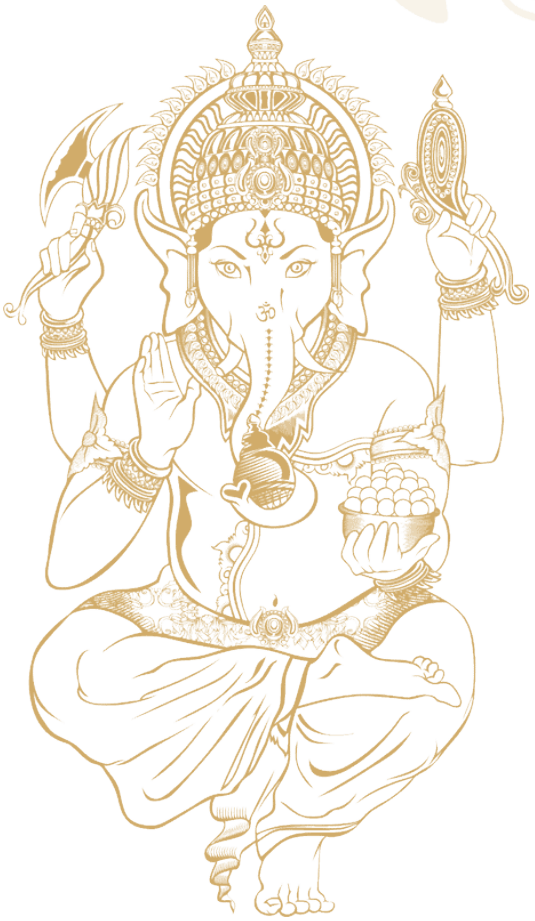

24 Feb 2026

07:51 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121385902

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
24/02/2026	जन्म तिथि	**24/02/2026**
मंगळवार	दिवस	मंगळवार
कला 19:51:00	जन्म समय	19:51:00 कला
घटी 32:28:12	जन्म समय(घटी)	32:28:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
कला -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 कला
कला 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
06:51:43	सूर्योदय	06:51:43
18:17:24	सूर्यास्त	18:17:24
24:13:27	लाहिरी अयनांश	24:13:27

कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृषभ	राशि	वृषभ
शुक्र	राशि–स्वामी	शुक्र
रोहिणी	नक्षत्र	रोहिणी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	1
वैधृति	योग	वैधृति
बव	करण	बव
ओ–ओमप्रकाश	जन्म नामाक्षर	ओ–ओमी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
सर्प	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
गरूड़	वर्ग	गरूड़
0	गत / तत्कालिक वर्ष	1

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ.फाल्गुनी	2	03:04:57	कन्या			लग्न			कन्या	03:04:57	2	उ.फाल्गुनी
शतभिषा	2	11:45:30	कुंभ			सूर्य			कुंभ	11:45:30	2	शतभिषा
रोहिणी	1	12:48:01	वृष			चंद्र			वृष	12:48:01	1	रोहिणी
धनिष्ठा	3	01:03:04	कुंभ		अ	मंगळ		अ	कुंभ	01:03:04	3	धनिष्ठा
पू.भाद्रपद	3	28:06:27	कुंभ			बुध			कुंभ	28:06:27	3	पू.भाद्रपद
पुनर्वसु	1	21:12:29	मिथु	व		गुरु	व		मिथु	21:12:29	1	पुनर्वसु
पू.भाद्रपद	2	23:29:55	कुंभ			शुक्र			कुंभ	23:29:55	2	पू.भाद्रपद
उ.भाद्रपद	2	06:58:47	मीन			शनि			मीन	06:58:47	2	उ.भाद्रपद
शतभिषा	3	14:45:20	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	14:45:20	3	शतभिषा
पू.फाल्गुनी	1	14:45:20	सिंह	व		केतु	व		सिंह	14:45:20	1	पू.फाल्गुनी
कृतिका	3	03:25:15	वृष			मु			कन्या	03:04:57	2	उ.फाल्गुनी

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

लाहिरी अयनांश : 24:13:27

लग्न–चलित

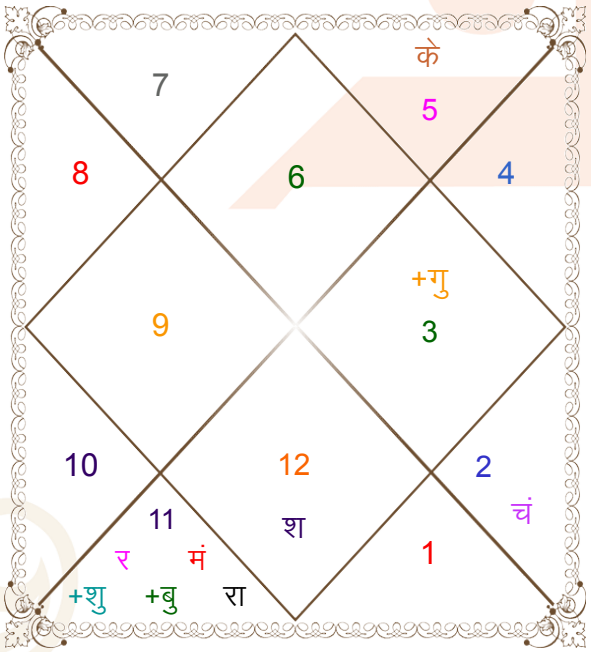

वर्ष लग्न कुंडली

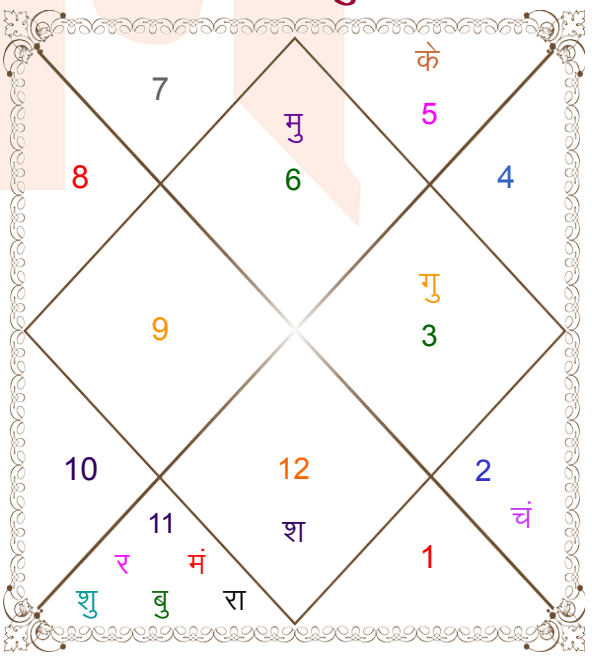

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - राहु - बुध	
24/02/2026 19:51	
05/05/2026 17:49	
बुध	28/02/2026 02:56
केतु	04/03/2026 15:36
शुक्र	17/03/2026 14:04
सूर्य	21/03/2026 11:12
चंद्र	27/03/2026 22:26
मंगळ	01/04/2026 11:05
राहु	13/04/2026 02:30
गुरु	23/04/2026 10:53
शनि	05/05/2026 17:49

चंद्र - राहु - केतु	
05/05/2026 17:49	
06/06/2026 16:50	
केतु	07/05/2026 14:34
शुक्र	12/05/2026 22:24
सूर्य	14/05/2026 12:45
चंद्र	17/05/2026 04:40
मंगळ	19/05/2026 01:25
राहु	23/05/2026 20:28
गुरु	28/05/2026 02:44
शनि	02/06/2026 04:11
बुध	06/06/2026 16:50

चंद्र - राहु - शुक्र	
06/06/2026 16:50	
06/09/2026 00:20	
शुक्र	21/06/2026 22:05
सूर्य	26/06/2026 11:40
चंद्र	04/07/2026 02:17
मंगळ	09/07/2026 10:08
राहु	23/07/2026 02:51
गुरु	04/08/2026 07:03
शनि	18/08/2026 18:02
बुध	31/08/2026 16:30
केतु	06/09/2026 00:20

चंद्र - राहु - सूर्य	
06/09/2026 00:20	
03/10/2026 09:47	
सूर्य	07/09/2026 09:13
चंद्र	09/09/2026 16:00
मंगळ	11/09/2026 06:21
राहु	15/09/2026 08:58
गुरु	19/09/2026 00:38
शनि	23/09/2026 08:44
बुध	27/09/2026 05:52
केतु	28/09/2026 20:13
शुक्र	03/10/2026 09:47

चंद्र - राहु - चंद्र	
03/10/2026 09:47	
18/11/2026 01:32	
चंद्र	07/10/2026 05:06
मंगळ	09/10/2026 21:01
राहु	16/10/2026 17:23
गुरु	22/10/2026 19:29
शनि	30/10/2026 00:59
बुध	05/11/2026 12:13
केतु	08/11/2026 04:08
शुक्र	15/11/2026 18:45
सूर्य	18/11/2026 01:32

चंद्र - राहु - मंगळ	
18/11/2026 01:32	
20/12/2026 00:34	
मंगळ	19/11/2026 22:17
राहु	24/11/2026 17:20
गुरु	28/11/2026 23:36
शनि	04/12/2026 01:03
बुध	08/12/2026 13:43
केतु	10/12/2026 10:28
शुक्र	15/12/2026 18:18
सूर्य	17/12/2026 08:39
चंद्र	20/12/2026 00:34

चंद्र - गुरु - गुरु	
20/12/2026 00:34	
22/02/2027 22:58	
गुरु	28/12/2026 16:21
शनि	07/01/2027 23:06
बुध	17/01/2027 03:52
केतु	20/01/2027 22:47
शुक्र	31/01/2027 18:31
सूर्य	04/02/2027 00:26
चंद्र	09/02/2027 10:18
मंगळ	13/02/2027 05:12
राहु	22/02/2027 22:58

चंद्र - गुरु - शनि	
22/02/2027 22:58	
11/05/2027 01:34	
शनि	07/03/2027 03:59
बुध	18/03/2027 02:09
केतु	22/03/2027 14:06
शुक्र	04/04/2027 10:32
सूर्य	08/04/2027 07:04
चंद्र	14/04/2027 17:17
मंगळ	19/04/2027 05:14
राहु	30/04/2027 18:49
गुरु	11/05/2027 01:34

चंद्र - गुरु - बुध	
11/05/2027 01:34	
19/07/2027 01:22	
बुध	20/05/2027 20:08
केतु	24/05/2027 20:44
शुक्र	05/06/2027 08:42
सूर्य	08/06/2027 19:29
चंद्र	14/06/2027 13:28
मंगळ	18/06/2027 14:03
राहु	28/06/2027 22:25
गुरु	08/07/2027 03:12
शनि	19/07/2027 01:22

चंद्र - गुरु - केतु	
19/07/2027 01:22	
16/08/2027 11:10	
केतु	20/07/2027 17:08
शुक्र	25/07/2027 10:46
सूर्य	26/07/2027 20:52
चंद्र	29/07/2027 05:41
मंगळ	30/07/2027 21:27
राहु	04/08/2027 03:43
गुरु	07/08/2027 22:38
शनि	12/08/2027 10:35
बुध	16/08/2027 11:10

चंद्र - गुरु - शुक्र	
16/08/2027 11:10	
05/11/2027 15:10	
शुक्र	29/08/2027 23:50
सूर्य	03/09/2027 01:14
चंद्र	09/09/2027 19:34
मंगळ	14/09/2027 13:12
राहु	26/09/2027 17:24
गुरु	07/10/2027 13:08
शनि	20/10/2027 09:34
बुध	31/10/2027 21:32
केतु	05/11/2027 15:10

चंद्र - गुरु - सूर्य	
05/11/2027 15:10	
29/11/2027 23:34	
सूर्य	06/11/2027 20:23
चंद्र	08/11/2027 21:05
मंगळ	10/11/2027 07:11
राहु	13/11/2027 22:50
गुरु	17/11/2027 04:45
शनि	21/11/2027 01:17
बुध	24/11/2027 12:05
केतु	25/11/2027 22:10
शुक्र	29/11/2027 23:34

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।